आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 153 | उज्जैन, गुरुवार 25 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मोको करनो है मतदान कि पोलिंग ले चल लांगुरिया

पद्मा विद्यालय की छात्राओं ने संगीतमयी नृत्य नाटिका के माध्यम से दिया मतदान का संदेश

भोपाल। ग्वालियर में मोको करनो है मतदान कि पोलिंग ले चल लांगुरिया लोकगीत की धुन पर स्थानीय शासकीय पद्माराजे कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने मतदान पर केन्द्रित संगीतमयी नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही सभी को मतदान जरूर करने का संदेश दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन एवं कमिश्नर ग्वालियर डॉ. सुदाम खाड़े सहित कार्यक्रम में मौजूद सभी अधिकारियों एवं वरिष्ठ नागरिकों ने इस प्रस्तुति की सराहना की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने इस अवसर पर सभी को लोकतंत्र के महापर्व 7 मई को अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करने की शपथ दिलाई। साथ ही स्वयं वोट डालने एवं अपने परिजनों, मित्रों व पड़ोसियों को मतदान के लिये प्रेरित करने का आह्वान किया।

स्वीप (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता) के तहत बुधवार को तानसेन रेसीडेंसी, ग्वालियर में हुए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में यह प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर श्री अरविंद सक्सेना, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री विवेक श्रोत्रिय, स्थानीय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं शहर के वरिष्ठ व युवा मतदाता मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव में सभी बढ़-चढ़कर मतदान करें - श्री राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि मतदान करने में ग्वालियर जिला पीछे न रहे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हम सभी को वोट के माध्यम से सरकार चुनने का अधिकार है। हम सभी को अपने वोट का उपयोग करना चाहिए। लोकसभा चुनाव में सभी बढ़-चढ़कर मतदान के लिये आगे आएं। सभी लोग न केवल स्वयं अपने मताधिकार का प्रयोग करें, बल्कि दूसरों को भी इसके लिये प्रेरित करें।

धोखाधड़ी मामले में वीएमसी सिस्टम्स की 55 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बैंक धोखाधड़ी मामले में वीएमसी सिस्टम्स लिमिटेड की 55.73 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया।

सीबीआइ ने दर्ज की एफआइआर- वित्तीय जांच एजेंसी ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और अन्य के साथ 539.67 करोड़ की धोखाधड़ी करने के लिए वीएमसी सिस्टम्स लिमिटेड, उसके निदेशकों और अन्य के खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत बेंगलुरु में सीबीआइ द्वारा दर्ज एफआइआर के आधार पर मामले की जांच शुरू की थी।

ईडी की जांच में सामने आए कुछ तथ्य- ईडी ने बताया कि जांच में सामने आया कि 2009 में वीएमसी सिस्टम्स ने अपनी कार्यशील पूंजी की जरूरतों आंशिक वित्तपोषण के लिए पीएनबी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से संपर्क किया था। 2009 और 2012 के बीच वीएमसी सिस्टम्स ने कार्पोरेशन बैंक, आंध्रा बैंक, पीएनबी और करूर वैश्य बैंक जैसे बैंकों के संघ से 1673.52 करोड़ रुपये (मूल राशि) की क्रेडिट सुविधाओं का लाभ उठाया।

बैंकों का घाटा 1745.45 करोड़ रुपये आंका

मणिपुर और नागालैंड को जोड़ने वाले पुल को IED से उड़ाया गया, भारी वाहनों की आवाजाही रोकी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर के कांगपोकपी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर एक पुल बुधवार तड़के एक आईईडी विस्फोट में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। द्बश्वष्ठ ब्लास्ट के बाद क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट रात करीब 12.45 बजे सपरमीना और कुब्रू लीखा इलाकों के बीच पुल पर हुआ। उन्होंने बताया कि इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने कहा, पुल के दोनों छोर पर तीन गड्ढे और दरारें देखी गईं।

पुलिस कर रही है आईईडी विस्फोट की जांच- मणिपुर की राजधानी इंफाल को नागालैंड के दीमापुर से जोड़ने वाले पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। विस्फोट के कुछ मिनट बाद, पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और पुल की घेराबंदी कर दी, उन्होंने कहा कि आईईडी विस्फोट की जांच शुरू कर दी गई है।

फर्जी आनलाइन पाठ्यक्रमों से लोग रहें सचेत, यूजीसी ने आम लोगों को लिए जारी की चेतावनी

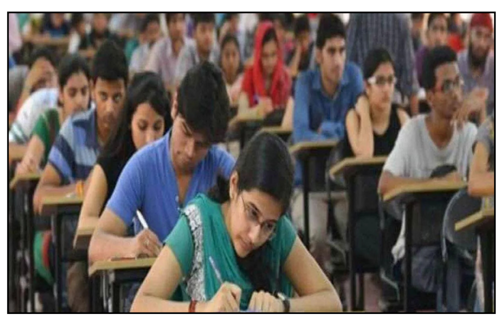

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मान्यता प्राप्त डिग्री नामों के समान संक्षिप्त अवधि वाले वाले फर्जी आनलाइन पाठ्यक्रमों विशेष रूप से 10-डेज एमबीए पाठ्यक्रम का उल्लेख करते हुए आम लोगों को चेतावनी जारी की है। यूजीसी के सचिव मनीष जोशी ने कहा कि कुछ व्यक्ति या संगठन उच्च शिक्षा प्रणाली के मान्यता प्राप्त डिग्री कार्यक्रमों के समान संक्षिप्त रूपों के साथ आनलाइन पाठ्यक्रम कराने का दावा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसी डिग्री का नामकरण, उसके संक्षिप्त रूप, अवधि और प्रवेश योग्यता सहित यूजीसी द्वारा केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी के साथ आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन के माध्यम से ही जारी की जाती है। यूजीसी सचिव ने स्पष्ट किया कि केवल केंद्रीय अधिनियम, प्रांतीय अधिनियम या राज्य अधिनियम द्वारा या उसके तहत स्थापित या निगमित विश्वविद्यालय अथवा संसद के अधिनियम द्वारा विशेष रूप से सशक्त विश्वविद्यालय अथवा संस्थान के रूप में समझा जाने वाला संस्थान ही डिग्री प्रदान करने का अधिकार रखता है।

उन्होंने कहा कि किसी डिग्री का नामकरण, उसके संक्षिप्त रूप, अवधि और प्रवेश योग्यता सहित यूजीसी द्वारा केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी के साथ आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन के माध्यम से ही जारी की जाती है।

मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि अगर किसी महिला वकील की नियुक्ति नियमित कर्मचारी की जगह एक पेशेवर के रूप में की गई है, तो ऐसे में वह मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत मिलने वाले मैटरनिटी के लाभ पाने की हकदार नहीं होगी। कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ एक प्रोफेशनल के रूप में जुड़ी वकील के केस की सुनवाई करते हुए दिया।

न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की खंडपीठ ने हाईकोर्ट की एकल-न्यायाधीश पीठ के जुलाई 2023 के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने DSLSA को गर्भवती महिला वकील को मातृत्व लाभ अधिनियम के अनुसार मिलने वाले सभी मेडिकल, आर्थिक और अन्य लाभ जारी करने का निर्देश दिया था।

यह महिला एक पैनल वकील के रूप में दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ जुड़ी हुई थी और उसे एक प्रोफेशनल वकील के रूप में किशोर न्याय बोर्ड-1 में कानूनी सेवा अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया गया था। महिला ने नियमित महिला कर्मचारियों की तरह अपने लिए भी मातृत्व लाभ की मांग की थी।

एकल न्यायाधीश के आदेश को रद्द करते हुए, पीठ ने कहा कि पैनल वकील के रूप में महिला की नियुक्ति को 1961 के अधिनियम के तहत लाभ का दावा करने के लिए मजदूरी के लिए रोजगार की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है।

जालंधर से ISI का आतंकी गिरफ्तार, जम्मू में किसी बड़े नेता की हत्या का मिला था टारगेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। काउंटर इंटेलीजेंस (सीआइ) टीम ने जम्मू-कश्मीर में बैठे किसी बड़े व्यक्ति को मारने की साजिश रच रहे इंटर सर्विस इंटेलिजेंस के गुर्गे को गिरफ्तार किया है।

आतंकी की पहचान मेहता, उदोवाल निवासी लवप्रीत के रूप में हुई है, जो इस समय जालंधर के रामा मंडी में किराये के मकान में रह रहा था। उससे एक चाइनीज पिस्तौल और कारतूस बरामद हुए हैं। पिस्तौल और कारतूस भी उसे पाकिस्तानी तस्करों के जरिए अमृतसर बार्डर पर मिले थे।

राष्ट्र हित की बात आएगी तो युद्ध से नहीं कतराएगा कोई, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया इस वक्त कई महायुद्ध झेल रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध शुरू हुए तीन साल होने वाले हैं। दूसरी तरफ इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकियों के बीच युद्ध शुरू हुए 200 दिन से ज्यादा का वक्त हो गया। अब ईरान और इजरायल के बीच महायुद्ध के हालात बने हुए हैं। इन सभी युद्धों ने एक बात साफ है- देश की संप्रभुता और राष्ट्र हित से कोई समझौता नहीं। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने एक कार्यक्रम के दौरान बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्र हित की बात आएगी तो कोई भी देश युद्ध करने से संकोच नहीं करेगा।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे एआईएमए राष्ट्रीय नेतृत्व संगोष्ठी में कार्यक्रम के दौरान दुनिया में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम और महायुद्ध के बन रहे हालातों पर अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्र हित की बात आएगी तो युद्ध लड़ने से कोई भी देश नहीं कतराएगा। उन्होंने कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र को खुद सुरक्षा न तो आउटसोर्स से पूरी की जा सकती है और न ही दूसरे की उदारता पर वह निर्भर रह सकता है।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने वर्तमान भू-रणनीतिक परिदृश्य में ''अभूतपूर्व'' पैमाने हो रहे बदलावों देखते हुए कहा कि किसी भी देश को खुद पर हमला रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में सैन्य ताकत और क्षमताएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल के भू-राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन ने दिखाया है कि जहां राष्ट्रीय हितों का सवाल आता है, देश युद्ध लड़ने से संकोच नहीं करेंगे। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि दुनिया में तेजी से आ रहे घटनाक्रमों ने सैन्य शक्ति के महत्व की फिर से पुष्टि की है।

सेना प्रमुख पांडे ने एआईएमए राष्ट्रीय नेतृत्व संगोष्ठी में 'सैन्य शक्ति आत्मनिर्भरता के माध्यम से बलों का आधुनिकीकरण' विषय पर अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र का समग्र उत्थान तब हो सकता है जब उसकी राष्ट्रीय शक्ति में उल्लेखनीय और निरंतर वृद्धि होती रहे।

सेना प्रमुख ने कहा कि आर्थिक शक्ति राष्ट्र के विकास का स्रोत है, वहीं सैन्य ताकत इसे परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता प्रदान करती है जो देश के विविध हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा, युद्ध को रोकने या विश्वसनीय प्रतिरोध करने के साथ-साथ संघर्ष के पूरे परिदृश्य में आवश्यकता पड़ने पर खतरों का मजबूती से जवाब देने और युद्ध जीतने के लिए सैन्य ताकत और क्षमताएं आवश्यक हैं।

मुंह बाए खड़ी है नई महामारी? यह गुफा है दुनिया की सबसे घातक बीमारी का घर, कैसी बनी इतनी खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरा विश्व अभी कोरोना महामारी की मार से उबरा नहीं कि एक नई बीमारी मुंह बाए हुए खड़ी नजर आ रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई जिसमें इस बात का खुलासा हुआ है कि एक गुफा अगली महामारी कारण बन सकती है। साइंस टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, केन्या के माउंट एल्गॉन नेशनल पार्क में स्थित दुनिया की सबसे घातक गुफा किटम है, जो अगली महामारी का कारण बन सकती है। रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि यह गुफा मानव इतिहास के कुछ सबसे घातक विषाणुओं का घर बन गई है। इबोला वायरस और मारबर्ग वायरस जैसी खतरनाक बीमारियों की शुरुआत भी इसी गुफा से होने की सूचना मिली है।

विशेषज्ञों को चिंता है कि यह गुफा अगली महामारी- मारबर्ग वायरस का घर हो सकती है। इसके बारे में पुष्टि करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक चेतावनी जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि मारबर्ग वायरस अगली महामारी को रूप दे सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मारबर्ग एक अत्यधिक विषैली बीमारी है जो रक्तस्त्रावी बुखार का कारण बनती है। यह बीमारी शरीर की कार्यात्मक क्षमता को कम कर देती है और हृदय प्रणाली को नुकसान पहुंचाती है। 88 प्रतिशत तक की मृत्यु दर के साथ, यह वायरस उस वायरस से संबंधित है जो इबोला जैसी खतरनाक बीमारी का कारक है।

संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से मारबर्ग वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैला सकता है। इसके अतिरिक्त, किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए तौलिये या अन्य वस्तुओं को छूने से भी यह बीमारी अन्य लोगों में भी फैल सकती है।

यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस के उप रक्षा मंत्री भेजे गए जेल, पुतिन के ऐक्शन की क्या वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन से युद्ध झेल रहे रूस में बड़ी उथल-पुथल हुई है। यहां रूसी सेना ने सैन्य निर्माण के प्रभारी और उप रक्षा मंत्री को भ्रष्टाचार के मामले में हिरासत में ले लिया। उन पर बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप हैं। फरवरी 2022 से यूक्रेन और रूस के बीच शुरू हुई जंग के बीच यह पुतिन की सबसे बड़ा ऐक्शन है। वह आठ साल से रूस में इस पद पर काम कर रहे थे। उनके पास पूर्वी यूक्रेन का जिम्मा था, जहां वे बड़ी परियोजनाओं का जिम्मा संभाल रहे थे।

रूस की शीर्ष जांच संस्था ने मंगलवार देर रात बयान में कहा कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमुर वादिमोविच इवानोव को हिरासत में ले लिया गया है और उनके खिलाफ जांच आगे बढ़ रही है। आठ साल से पद संभाल रहे इवानोव पर बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने का आरोप है।

2022 में, दिवंगत रूसी विपक्षी नेता अलेक्सी नवलनी की अध्यक्षता वाले रूस के भ्रष्टाचार विरोधी फाउंडेशन ने आरोप लगाया था कि इवानोव और उनका परिवार रियल एस्टेट, शानदार यात्राओं और डिजाइनर कपड़ों पर भारी-भरकम खर्च कर रहा है। रूसी मीडिया ने बताया कि इवानोव पूर्वी यूक्रेनी शहर मारियुपोल के पुनर्निर्माण की बड़ी निर्माण परियोजनाओं के प्रभारी थे। इस इलाके पर रूस की भारी बमबारी के बाद पुतिन आर्मी ने इसके एक हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

रूसी समाचार एजेंसियों के हवाले से क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत पर एक रिपोर्ट राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सौंपी थी। उनके आदेश के बाद ही उन्हें हिरासत में लिया गया है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी देखना चीनी महिला को पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशियाई ज्वालामुखी को देखना एक चीनी महिला के लिए तब मौत का कारण बन गया जब वह धधकते ज्वालामुखी के नजदीक फोटो के लिए पोज दे रही थी। यह घटना इजेन ज्वालामुखी में हुई (जो अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली नीली आग घटना के लिए प्रसिद्ध है)। महिला की पहचान हुआंग लिहोंग (31 वर्षीय) एक चीनी महिला के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, हुआंग लिहोंग अपने पति के साथ गाइडेड टूर पर थी। यह घटना बीते शनिवार को घटित हुई।

गाजा में इजरायली सेना का नया कांड खुला! अस्पताल में खुदाई से निकली 200 लाशें, बर्बरता देख UN भी भड़का

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुए 200 दिन से ज्यादा का वक्त हो गया है। गाजा शहर इजरायली सेना के कत्लेआम ने अमेरिका को भी भड़का रखा है। उसने उसकी एक बटालियन पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। इस बीच गाजा में आईडीएफ का नया कांड सामने आया है। हमास अधिकारियों का आरोप है कि खान यूनिस अस्पताल में खुदाई के दौरान 200 से अधिक लाशें मिली हैं। हमास ने इजरायल पर अस्पताल को सामूहिक कब्रगाह बनाने का आरोप लगाया है। शवों की बर्बरता पर संयुक्त राष्ट्र भी भड़क गया है। उसका कहना है कि शवों में कुछ के हाथ बंधे हुए थे और कुछ के तन में कपड़े भी नहीं थे।

हमास के अधिकारियों ने दावा किया कि सैकड़ों निर्दोषों को इजरायली बलों ने मारकर अस्पताल में दफना दिया। हमास ने यहां सामूहिक कब्र होने का दावा किया है। हालांकि इजरायली सेना ने हमास के आरोपों को निराधार बताया और इस दावे को झूठा बताया है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्र में इजरायली बलों और हमास आतंकियों के बीच लड़ाई के बीच फिलिस्तीनियों ने खुद पहले भी शवों को उस स्थान पर दफनाया था।

इज़राइल रक्षा बलों ने हमास के आरोप को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। आईडीएफ के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली बंधकों की तलाश कर रहे हमारे बलों ने नासिर अस्पताल के पास फिलिस्तीनियों द्वारा पहले दफनाए गए शवों की जांच की थी और जांच के बाद शवों को वहीं रख दिया था, जहां उन्हें दफनाया गया था।

पिता-पुत्र पर लगा चीन के लिए जासूसी करने का आरोप, ताइनान की अदालत ने सुनाई 8 साल की सजा

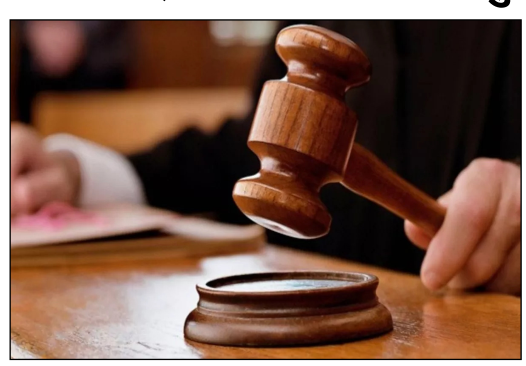

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताइनान की एक अदालत ने चीन में व्यापारिक उद्यमों में शामिल एक पिता और उसके बेटे को सजा सुनाई है। बता दें कि दोनों को चीनी खुफिया विभाग की ओर से जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए आठ साल की जेल हुई है। इसकी जानकारी सेंट्रल न्यूज एजेंसी ताइवान (सीएनए) की रिपोर्ट में दी गई है।

अपने फैसले में, ताइवान उच्च न्यायालय की ताइनान शाखा ने दो लोगों को, जिनका उपनाम हुआंग से पहचाना गया, एक जासूसी नेटवर्क को संचालित करने का दोषी घोषित किया, जिसने चीन के लिए खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए सक्रिय-ड्यूटी सैन्य कर्मियों की भर्ती की थी।

सेंट्रल न्यूज एजेंसी ताइवान के अनुसार, ताइनान शाखा अदालत के अनुसार, मुकदमे के दौरान, दोनों व्यक्तियों ने अपने गलत काम कबूल कर लिए।

अभियोजन पक्ष के मामले के अनुसार, पिता और पुत्र, जिन्होंने पहले 2015 में जियामेन में एक व्यवसाय संचालित किया था, को एक चीनी खुफिया अधिकारी से मिलवाया गया था, जिन्होंने ताइवान में एक जासूसी नेटवर्क स्थापित करने में उनकी सहायता का आग्रह किया था। इस नेटवर्क का उद्देश्य वर्गीकृत सैन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए ताइवानी सैन्य कर्मियों की भर्ती करना था।

हिजबुल्ला का इजरायल पर आक्रामक हमला, एक साथ दागे 35 रॉकेट; हवाई हमले के बजने लगे सायरन

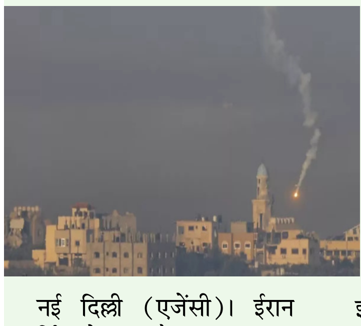

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान समर्थित लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए उत्तरी इजरायल में 35 राकेट दागे हैं। राकेटों हमले से उत्तरी इजरायल के सफेड शहर और आसपास के क्षेत्रों में हवाई हमले के सायरन बज गए। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी में युद्ध की शुरुआत के एक दिन बाद आठ अक्टूबर, 2023 से इजरायल और हिजबुल्ला के बीच चल रही सीमा पार लड़ाई में यह हिंसा नवीनतम थी।

इजरायली सेना ने सोमवार को कहा कि इजरायली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान में राकेट लांचरों से हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हमला किया।

283 लोगों की सामूहिक कब्रें मिलने के दावे- इससे पहले सोमवार को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अरजौन और ओडाइसेह गांवों में दो बुनियादी संरचनाओं पर हमला किया था, जहां हिजबुल्ला लड़ाके मौजूद थे।

लग सकते हैं प्रतिबंध; ईरान के साथ इस्लामिक भाईचारा दिखा रहे पाक को अमेरिकी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी तीन दिन के दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे तो कई मुद्दों पर बात हुई। गाजा पट्टी पर फिलिस्तीनियों के मारे जाने पर शहबाज शरीफ और इब्राहिम रईसी ने दुख जताया तो इस्लामिक भाईचारे का भी आह्वान किया गया। इसके अलावा दोनों देशों के बीच सालाना 10 अरब डॉलर तक का कारोबार करने पर सहमति बनी। लेकिन अब अमेरिका ने पाकिस्तान को ईरान से कारोबारी रिश्ते रखने से बचने की नसीहत दी गई है। अमेरिका ने चेताया है कि यदि ईरान से कारोबारी डील की गई तो फिर आर्थिक प्रतिबंध झेलने पड़ सकते हैं।

पाकिस्तान के बलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए ईरान की ओर से चीजें सप्लाई किए जाने पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि हम इसके खिलाफ हैं। वेदांत पटेल ने कहा, यदि कोई नरसंहार के हथियारों की तकनीक का प्रसार करता है तो हम उस पर ऐक्शन लेंगे। मैं साफ करता हूं कि यदि ईरान के साथ कोई भी डील करता है तो उसे पाबंदियों के लिए तैयार रहना होगा। अंत में अपनी विदेश नीति को लेकर पाकिस्तान को ही आखिरी फैसला लेना है।

वेदांत पटेल ने कहा कि हम उन कंपनियों पर पाबंदियां लगा भी दी हैं, जो नरसंहार के हथियारों का प्रसार कर रही थीं या फिर डिलिवरी कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां चीन और बेलारूस में स्थित हैं। इसके साथ ही वेदांत पटेल ने ईरानी राष्ट्रपति के पाकिस्तान दौरे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि किसी भी देश को ईरान के साथ डील करने से पहले सावधान रहना चाहिए। उसे समझना होगा कि कुछ पाबंदियां लग सकती हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने पहले ही ईरान पर पाबंदियां लगाई हैं। ऐसे में अब उसका असर उन देशों पर भी दिखेगा, जो उसके साथ डील कर रहे हैं।

बता दें कि रईसी के पाकिस्तान दौरे में दोनों देशों के बीच 8 समझौते हुए हैं। इसी का जिक्र करते हुए वेदांत पटेल ने कहा कि ईरान पर तो पहले से ही पाबंदियां लागू हैं।

क्या माइक्रोकंट्रोलर फिर से प्रोग्राम करने योग्य हैं या नहीं? वोट से VVPAT के मिलान मामले में SC ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को इलेक्ट्रॉनिंग वोटिंग मशीन के जरिये डाले गए सभी वोट का वीवीपैट के साथ मिलान करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। जिसके बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षिता रखा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने चुनाव आयोग के एक अधिकारी से ईवीएम की कार्यप्रणाली के संबंधित पांच सवाल पूछे जिनमें यह सवाल शामिल था कि क्या ईवीएम में लगे माइक्रोकंट्रोलर फिर से प्रोग्राम करने योग्य हैं या नहीं?

पीठ ने वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त नीतेश कुमार व्यास को दोपहर दो बजे सवालों के जवाब देने के लिए बुलाया था। बकौल रिपोर्ट, वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ने पहले कोर्ट में ईवीएम की कार्य-प्रणाली के बारे में प्रेजेंटेशन दिया था।

पीठ ने कहा था कि उसे कुछ पहलुओं पर स्पष्टीकरण की जरूरत है, क्योंकि चुनाव आयोग की ओर से ईवीएम के बारे में बार-बार पूछे जाने वाले सवालों पर दिए गए जवाबों पर कुछ भ्रम था।

आ गई खुशखबरी, ट्रेनों में खत्म होगा वेटिंग का झंझट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ट्रेनों के जनरल और स्लीपर कोच में यात्रियों की भीड़ होना तो आम बात थी मगर अब एसी कोच में भी लोगों की धक्का-मुक्की बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर आए दिनों कई तस्वीरें और वीडियो सामने आती रहीं हैं, जिनमें लोग एसी कंपार्टमेंट में भी भेड़-बकरियों की तरह भरे हुए नजर आ रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय रेल और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि अगले पांच वर्षों में लगभग सभी रेल यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल सकता है। अश्विनी वैष्णव की बातों पर भरोसा करें तो अगले पांच साल में वेटिंग के झंझट से छुटकारा मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी के जरिए रेलवे को और मजबूत किया जाएगा और खासकर यात्रियों के लिए सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जाएगा। वैष्णव ने पिछले दशक में भारतीय रेलवे के बदलाव पर भी जोर दिया और कहा, 2014 से 2024 तक 31,000 किलोमीटर नए ट्रैक बनाए गए। अश्विनी वैष्णव ने कहा, 2004 से 2014 तक के 10 वर्षों में, केवल लगभग 5,000 किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ, जबकि पिछले 10 वर्षों में आश्चर्यजनक रूप से 44,000 किलोमीटर का रेलवे विद्युतीकरण हुआ।

पश्चिम बंगाल में रामनवमी पर हिंसा से भड़का हाईकोर्ट, कह दिया- हम यहां चुनाव रद्द कर देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामनवमी के मौके पर पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद में हुई हिंसा को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शांति न बनाए रखने पर चिंता जाहिर की है। साथ ही इलाके में लोकसभा चुनाव भी रद्द करने की चेतावनी दे दी है। उच्च न्यायालय का कहना है कि जो लोग थोड़ी देर भी शांति नहीं बनाए रख सकते, उन्हें चुनाव की कोई जरूरत नहीं है। 17 अप्रैल को हुई हिंसा के दौरान करीब 19 लोग घायल हो गए थे।

चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम और जस्टिस हिरण्मय भट्टाचार्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बेंच का कहना है कि क्षेत्र में 4 और 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को रद्द कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर लोग शांति और सद्भावना में नहीं जी सकते, तो हम चुनाव रद्द कर देंगे...।

उन्होंने आगे कहा, अगर दो वर्गों के लोग आचार संहिता लागू होने के बाद भी इस तरह से झगड़ा करते हैं, तो उन्हें एक निर्वाचित प्रतिनिधि की जरूरत ही नहीं है। बेंच मुस्लिम राष्ट्रीय मंच समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुर्शीदाबाद जिले में हुई हिंसा की सीबीआई या एनआईए जांच कराने की मांग की गई थी।

दोबारा ऐसा नहीं होगा, हम माफी मांगते हैं; सुप्रीम कोर्ट से फटकार के बाद बाबा रामदेव ने फिर एड देकर बोला सॉरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। योग गुरु बाबा रामदेव ने एक बार फिर सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। उन्होंने पतंजलि आयुर्वेद से जुड़े भ्रामक विज्ञापनों को लेकर लिखा कि वे दोबारा माफी मांग रहे हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब पतंजलि की तरफ से माफी मांगी गई है। मंगलवार को भी इस तरह का माफीनामा सामने आया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसपर आपत्ति जता दी थी।

बगैर शर्त सार्वजनिक माफी के शीर्षक के साथ ताजा प्रकाशित माफी में पतंजलि आयुर्वेद की तरफ से कहा गया है, माननीय शीर्ष न्यायालय में चल रहे मामले (रिट याचिका 645/2022) के मद्देनजर हम भारत के माननीय उच्चतम न्यायालयों के निर्देशों/आदेशों की अवज्ञा या पालन नहीं करने के चलते व्यक्तिगत रूप के साथ-साथ कंपनी की ओर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हैं।

आगे कहा गया, 22 नवंबर 2023 को प्रेस कॉन्फ्रेंस/मीटिंग के लिए हम बगैर शर्त माफी मांगते हैं। विज्ञापनों को प्रकाशित करने में हुई गलती के लिए हम माफी मांगते हैं और वादा करते हैं कि ऐसी गलतियां दोबारा नहीं होंगी। हम माननीय अदालत के निर्देशों और आदेशों के ध्यान और गंभीरता के साथ पालन करने का वचन देते हैं। हम न्यायालय की गरिमा को बनाए रखने और माननीय न्यायालय/अथॉरिटी के निर्देशों और कानूनों का पालन करने का वादा करते हैं।

खास बात है कि एक दिन पहले ही प्रकाशित हुए विज्ञापन में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण का नाम शामिल नहीं था। तब सुनवाई के दौरान जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस ए अमानुल्लाह की बेंच ने सवाल किया था कि क्या माफीनामा को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। जस्टिस कोहली ने पूछा, क्या माफीनामे को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था? क्या इसके फॉन्ट और साइज आपके पुराने विज्ञापनों की तरह थे। फिलहाल, इस मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी। तब बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत तौर पर अदालत में पेश होने के लिए कहा गया है।

एक ही स्कूल के 36 टीचरों की चली गई नौकरी, घोटाले पर HC के फैसले ने ली जॉब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक झटके में 26000 शिक्षकों और गैर शिक्षकों को तत्काल नौकरी से निकालने के आदेश दे चुकी है। एक ही समय में प्रदेशभर में इतने बड़े पैमाने पर नौकरी चले जाने से शिक्षा विभाग के सामने स्कूलों को चलाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कई स्कूलों में एक साथ दर्जनों शिक्षकों की नौकरी चली गयी। मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का में ऐसे कई स्कूल हैं जहां बड़े पैमाने पर शिक्षकों ने नौकरी खो दी है। अर्जुनपुर हायर सेकेंडरी स्कूल में एक साथ 36 टीचरों की नौकरी चली गई। स्कूल में बच्चों की तादाद 10 हजार से ज्यादा की है।

कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को अवैध बताते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट जाने की बात तो कह चुकी हैं लेकिन, अभी हाई कोर्ट के आदेश के बाद ताजा हालात बेहद चिंताजनक हैं। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में ममता कैबिनेट पर सवाल उठाए थे और टिप्पणी की थी कि सरकार को भी इस पूरे घोटाले की जानकारी थी, इसके बावजूद यह सब किया गया। स्कूलों में बड़े पैमाने पर नौकरी चले जाने के बाद स्कूलों को चलाने का संकट पैदा हो गया है।

मालूम हो कि मुर्शिदाबाद के फरक्का में हायर सेकेंडरी स्कूल में एक साथ 36 टीचरों की नौकरी चली गई है। स्कूल में छात्रों की संख्या 10 हजार से ज्यादा है। इस विद्यालय में शिक्षकों की कुल संख्या 60 थी। इनमें 7 सहायक अध्यापक हैं। हालांकि, 36 शिक्षकों के हटने से इस स्कूल में अब शिक्षकों की संख्या 24 रह गई है। स्कूल प्रशासन के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इन 36 शिक्षकों में से 20 की सीधी भर्ती की गई और 16 का तबादला कर दिया गया था।

फिर चर्चा में 2जी स्पेक्ट्रम, क्यों 12 साल पुराने फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने 12 साल से अधिक समय बाद 2जी स्पेक्ट्रम मामले से जुड़े फैसले में संशोधन का अनुरोध करते हुए सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों को स्थानांतरित करते समय सरकार नीलामी का मार्ग अपनाने के लिए बाध्य है। इसने दो फरवरी 2012 के अपने फैसले में जनवरी 2008 में दूरसंचार मंत्री के रूप में ए. राजा के कार्यकाल के दौरान विभिन्न कंपनियों को दिए गए 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस रद्द कर दिए थे।

केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ के समक्ष एक अंतरिम आवेदन का उल्लेख किया। आवेदन को तत्काल सूचीबद्ध करने का आग्रह करते हुए शीर्ष कानून अधिकारी ने पीठ से कहा कि याचिका 2012 के फैसले में संशोधन का अनुरोध करती है क्योंकि केंद्र कुछ मामलों में 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस देना चाहता है।

प्रधान न्यायाधीश ने वेंकटरमणी से कहा, हम देखेंगे, आप कृपया एक ई-मेल भेजें। गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने आवेदन का विरोध किया और कहा कि शीर्ष अदालत ने नीलामी संबंधी अपने फैसले में इस मुद्दे को अच्छी तरह से सुलझा लिया था। संबंधित गैर सरकारी संगठन उन याचिकाकर्ताओं में शामिल था जिनकी याचिकाओं पर न्यायालय ने फरवरी 2012 में अपना निर्णय दिया था।

इस साल 22 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामले में राजा और 16 अन्य को बरी करने के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की अपील को स्वीकार कर लिया था, जिससे एजेंसी द्वारा याचिका दायर करने के छह साल बाद मामले की सुनवाई का मार्ग प्रशस्त हो गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण द्वतीया

संपादकीय

भारतीय शतरंज आजकल ऊंची उड़ान पर है...

भारतीय शतरंज आजकल ऊंची उड़ान पर है। यह साबित हुआ Candidates Chess Tournament में। इसमें तीन भारतीय खिलाड़ियों ने भाग लिया और जीते 17 साल के डी गुकेश। विश्वनाथन आनंद के बाद इस टूर्नामेंट को जीतने वाले गुकेश दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने सबसे कम उम्र में यह गौरव हासिल किया है। उनसे पहले यह रेकॉर्ड Garry Kasparov के नाम था। उन्होंने 1984 में 22 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। गुकेश ने अब भारत में आनंद के बाद दूसरा विश्व चैंपियन बनने की उम्मीद बंधाई है। वह विश्व चैंपियन Ding Liren को चुनौती देंगे।

नंबर 1 की लड़ाई -भारतीय शतरंज में आए बदलाव को इस तरह समझा जा सकता है कि आनंद लगातार 36 बरसों तक देश के नंबर एक खिलाड़ी रहे थे। लेकिन, इस साल के पहले चार महीनों में देश के नंबर एक खिलाड़ी की दौड़ में आनंद के अलावा गुकेश, प्रज्ञाननंदा, विदित गुजराती और अर्जुन इरिगेसी शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी लाइव रेटिंग में एक-दूसरे को पीछे छोड़ते दिखे हैं। अजरबैजान के ग्रैंडमास्टर Teimour Radjabov के इस साल किए ट्वीट से भारत की प्रगति को समझा जा सकता है। उन्होंने लिखा था कि भारत में नंबर एक स्थान पाना कितना संघर्षपूर्ण हो गया है। गुकेश ने भी आनंद को पिछले साल अगस्त में फीडे ईएलओ रेटिंग में पीछे छोड़ा था।

ग्रैंडमास्टर का देश - भारत में पहले ग्रैंडमास्टर बनना कितना मुश्किल था इसे इस बात से समझा जा सकता है कि देश को 1988 में पहली बार आनंद के रूप में पहला ग्रैंडमास्टर मिला। इसके 12 साल बाद तक देश को पांच ही और ग्रैंडमास्टर मिल सके थे। लेकिन, मौजूदा समय में देश में 84 ग्रैंडमास्टर हैं। गुकेश के प्रदर्शन के बाद यह कहा जा सकता है कि भारत ने संख्या बढ़ाने में ही तरक्की नहीं की, गुणवत्ता के मामले में भी आगे बढ़ा है।

कार्लसन को जवाब - गुकेश ने अपने खेल से पूर्व विश्व चैंपियन Magnus Carlsen की सोच को गलत साबित कर दिया। कार्लसन ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कहा था कि भारतीय खिलाड़ियों से उन्हें कोई उम्मीद नहीं और गुकेश को तो भारी हार का सामना करना पड़ेगा। सातवें राउंड में गुकेश जब फिरोजा अलीरजा से हारे, तो एक बार को लगा कि कहीं कार्लसन की बात सच तो नहीं होने जा रही। लेकिन, इसके बाद गुकेश के खेल में जबरदस्त सुधार दिखा और उन्होंने चैंपियन बनकर ही दम लिया। कार्लसन ने भी गुकेश की ताकत को मान लिया।

लॉकडाउन का फायदा - गुकेश मानते हैं कि कोविड के कारण लगे लॉकडाउन के दौरान उनके करियर ने उड़ान पकड़ी। साल 2018 में प्रज्ञाननंदा सहित आठ ग्रैंडमास्टर बने थे। गुकेश इसके एक साल बाद ग्रैंडमास्टर बने। लॉकडाउन के समय उनकी श्वस्ह्र रेटिंग 2550 के करीब थी। लेकिन, उन्होंने लॉकडाउन का भरपूर फायदा उठाया और अपने समकालीन ग्रैंडमास्टर्स को पीछे छोड़ने में सफल हो गए। असल में गुकेश का चेस इंजन (कंप्यूटर प्रोग्राम) पर शुरुआती करियर में ध्यान नहीं देना ही उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करता है। आजकल युवा खिलाड़ी चेस इंजन का सहारा लेते हैं। गुकेश के कोच विष्णु प्रसन्ना कहते हैं कि चेस इंजन का उपयोग नहीं करने का मकसद त्रुटिहीन गणनाएं करने और स्थितियों को जल्द समझने की क्षमता विकसित करना था।

सबसे छोटे ग्रैंडमास्टर - गुकेश अपनी तैयारी के ढंग की वजह से ही 12 साल 7 महीने और 17 दिन की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए थे। भारत में तो यह रेकॉर्ड है, लेकिन दुनिया के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर Karjakin की उपलब्धि को गुकेश पीछे नहीं छोड़ पाए। अगर वह अंडर-12 विश्व चैंपियन बनने के दौरान आधा अंक और पा जाते तो Karjakin का भी रेकॉर्ड तोड़ देते।

पिता की मेहनत - गुकेश अगर इस मुकाम तक पहुंचे हैं, तो इसमें उनके पिता डॉक्टर रजनीकांत के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। पेशे से ईएनटी विशेषज्ञ रजनीकांत ने बेटे का करियर बनाने के लिए अपने करियर पर ब्रेक लगा दिया। पांच बरसों तक वह बेटे को लेकर विभिन्न टूर्नामेंटों में देश-विदेश जाते रहे। कई बार विदेश में ठहरने का पैसा बचाने के लिए दोनों हवाई अड्डे पर ही सो जाते थे।

विश्व मलेरिया दिवस

विश्व मलेरिया दिवस सम्पूर्ण विश्व में 25 अप्रैल को मनाया जाता है। मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो मच्छर के काटने से फैलती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को यदि सही समय पर उचित इलाज तथा चिकित्सकीय सहायता न मिले तो यह जानलेवा सिद्ध होती है। मलेरिया एक ऐसी बीमारी है, जो हज़ारों वर्षों से मनुष्य को अपना शिकार बनाती आई है। विश्व की स्वास्थ्य समस्याओं में मलेरिया अभी भी एक गम्भीर चुनौती है। पिछले दो दशकों में हुए तीव्र वैज्ञानिक विकास और मलेरिया के उन्मूलन के लिए चलाए गए वैश्विक कार्यक्रमों के बावजूद इस जानलेवा बीमारी के आंकड़ों में कमी तो आई है, लेकिन अभी भी इस पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है।

शुरुआत

हर दिन का अपना एक ख़ास महत्त्व होता है। फिर चाहे वह खुशी का दिन हो या दुःख का। विश्व मलेरिया दिवस एक ऐसा ही दिन है, जिसे पहली बार 25 अप्रैल, 2008 को मनाया गया था। यूनिसेफ़ द्वारा इस दिन को मनाने का उद्देश्य मलेरिया जैसे ख़तरनाक रोग पर जनता का ध्यान केंद्रित करना था, जिससे हर साल लाखों लोग मरते हैं। इस मुद्दे पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम चलाने से बहुत-सी जानें बचाई जा सकती हैं।

क्या है मलेरिया

मलेरिया एक प्रकार का बुखार है। इसमें बुखार ठण्ड (कंपकपी) के साथ आता है। इस बुखार के मुख्य लक्षण हैं- सरदर्द, उलटी और अचानक तेज सर्दी लगना। मलेरिया मुख्यत संक्रमित मादा एनाफ़िलीज मच्छर द्वारा काटने पर ही होता है। जब संक्रमित मादा एनाफ़िलीज मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह अपने लार के साथ उसके रक्त में मलेरिया परजीवियों को पहुंचा देता है। संक्रमित मच्छर के काटने के 10-12 दिनो के बाद उस व्यक्ति में मलेरिया रोग के लक्षण प्रकट हो जाते हैं। मलेरिया के रोगी को काटने पर असंक्रमित मादा एनाफ़िलीज मच्छर रोगी के रक्त के साथ मलेरिया परजीवी को भी चूस लेते हैं व 12-14 दिनों में ये मादा एनाफ़िलीज मच्छर भी संक्रमित होकर जितने भी स्वस्थ मनुष्यों को काटते हैं, उनमें मलेरिया फैलाने में सक्षम होते हैं। इस तरह एक मादा मच्छर कई स्वस्थ लोगों को भी मलेरिया ग्रसित कर देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट

डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) की एक रिपोर्ट कहती है कि साल 2000 से अब तक मलेरिया से होने वाली मौतों में 25 फीसदी से ज्यादा की कमी आई है। इसमें कहा गया है कि मलेरिया से सबसे ज्यादा प्रभावित 99 में से 50 देश 2015 तक मलेरिया के मामलों में 75 फीसदी तक की कमी लाने के रास्ते पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक़, इस उपलब्धि के बावजूद हकीकत यह है कि आज भी दुनिया में मलेरिया से हर साल क़रीब छह लाख 60 हज़ार लोगों की मौत हो जाती है। इनमें से ज्यादातर बच्चे होते हैं। अफ़्रीका के उप सहारा क्षेत्र में आज भी मलेरिया की वजह से सबसे ज्यादा बच्चों की जान जा रही है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि दुनिया में हर साल मलेरिया के क़रीब 20 करोड़ नए केस सामने आते हैं। साधनों की कमी के कारण इनमें से बहुतों को स्तरीय इलाज तक नहीं मिल पाता।

भारत में मलेरिया की स्थिति

यदि गौर किया जाए तो भारत की स्वतंत्रता के बाद से अब तक हज़ारों लोग इस बीमारी की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। मलेरिया एक जटिल बीमारी है। मानव गतिविधियाँ और प्राकृतिक आपदाएं, जैसे- अत्यधिक वर्षा, बाढ़, अकाल और अन्य आपदाएं इस बीमारी की संक्रमण क्षमता को तेज़ीसे बढ़ाती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय मच्छर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) देश में प्रतिवर्ष क़रीब 15 लाख मलेरिया के मरीजों की संख्या दर्ज करता है। इनमें से 50 प्रतिशत मलेरिया प्लाज्मोडियम फैल्सीपरम मच्छर के काटने से फैलता है। एनवीबीडीसीपी द्वारा जारी पिछले 10 वर्ष के आकंड़ों पर अगर गौर करें तो मलेरिया से देश में वर्ष 2001 में 1005, 2002 में 973, 2003 में 1006, 2004 में 949, 2005 में 963, 2006 में 1707, 2007 में 1311, 2008 में 1055, 2009 में 1144 और 2010 में 767 लोगों की जान गई।

राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम

स्वतंत्रता के बाद मलेरिया पर रोकथाम के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम (एनएमसीपी) चलाने के साथ ही डीडीटी का छिड़काव शुरू किया था, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुरोध पर वर्ष 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (एनएमईपी) और आगे चलकर मोडिफ़ाइड प्लान ऑफ़ ऑपरेशन (एमपीओ) नाम से नई योजना शुरू की गई।

भारत सरकार के प्रयत्न

हाल के वर्षों में उड़ीसा, झारखण्ड और छत्तीसगढ़ से मलेरिया के मामलों में तेज़ीसे वृद्धि हुई है। इनके अलावा अन्य राज्यों में भी इस महामारी का खतरा बना हुआ है। पिछले दशकों में शहरी इलाकों में भी मलेरिया के मामले तेज़ीसे सामने आए हैं। मलेरिया के प्रभावी रोकथाम और इलाज तक पहुंच के सीमित साधन होने की वजह से जनजातीय लोगों और ग़रीबों में इस बीमारी का खतरा ज्यादा बना रहता है। सरकार ने एमपीओ कार्यक्रम के तहत मलेरिया फैलने की पूर्व सूचना, शुरू में ही इस बीमारी की पहचान और त्वरित कार्रवाई के लिए कदम उठाने की व्यवस्था की है।

पूर्वोत्तर के सभी राज्यों को सौ प्रतिशत मदद देने का भरोसा और लोगों को जागरूक करने के लिए देशभर में मलेरिया विरोधी महीना की शुरुआत की गई है। इसके अलावा देश के सात राज्यों आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा और राजस्थान में मलेरिया पर नियंत्रण के लिए सरकार ने विश्व बैंक की मदद से सितम्बर, 1997 से परिष्कृत मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत की है।

मलेरिया के मच्छरों को नष्ट करने के लिए कीटनाशकों के छिड़काव और जैव पर्यावरण उपायों को अपनाने पर जोर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने देशभर के कुल 53,544 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर 53,500 पुरुष स्वास्थ्यकर्मियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। पूर्वोत्तर राज्यों में ख़ासकर मेघालय के शिलांग में कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों को मलेरिया के प्रति जागरूक करने के लिए उनके बीच कॉमिक पुस्तकों का वितरण किया गया है।

उल्लेखनीय तथ्य

25 अप्रैल विश्व मलेरिया दिवस का दिन है, जब मलेरिया को जड़ से मिटाने के लिए कारगार कदम उठाने के भरसक प्रयासों को हरी झंडी दी गई थी। साथ ही जनता को मलेरिया के प्रति जागरूक करने और इस रोग पर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की पहल की गई थी।

मलेरिया पूरे विश्व में महामारी का रूप धारण कर चुका है। ख़ासकर विकासशील देशों में मलेरिया कई मरीजों के लिए मौत का पैगाम बनकर सामने आया है। मच्छरों के कारण फैलने वाली इस बीमारी में हर साल कई लाख लोग जान गवाँ देते हैं। प्रोटोजुअन प्लाज्मोडियम नामक कीटाणु मादा एनोफिलीज मच्छर के माध्यम से फैलते है। ये मच्छर एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे तक कीटाणु फैलाने का काम भी करते है।

यूनिसेफ़ का मलेरिया को लेकर कहना है कि अफ़्रीका के कुछ देशों सहित अन्य देशों में मच्छर के कारण हो रही मौतों को रोकने के और अधिक उपाय करने होंगे। इसके अलावा ग्रामीण एवं ग़रीब लोगों वाले ऐसे क्षेत्रों तक ज्यादा पहुँच बढ़ानी होगी, जहाँ मलेरिया एक बड़े खतरे का रूप ले चुका है। यूनिसेफ़ के मुताबिक़ मलेरिया को आसानी से मात दी जा सकती हैं, बस ज़रूरत है विश्व को मलेरिया के ख़िलाफ़ एकजुट होने की।

मलेरिया एक वैश्विक जन-स्वास्थ्य समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर साल मलेरिया के कारण विश्व में हो रही मौतों की ओर लोगों का ध्यान खींचने के लिए 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

रेलवे से मिला 487 करोड़ का ऑर्डर, शेयर खरीदने की मची होड़, 199 पर पहुंच गया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीपीटी इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज इंट्रा डे में 16% से अधिक चढ़ गए और 199 रुपये पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कोलकाता की कंस्ट्रक्शन कंपनी को सेंट्रल रेलवे से 487 करोड़ का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने इसकी जानकारी शेयर बाजार को दी है।

कंपनी ने कहा है कि यह ऑर्डर कंपनी की संयुक्त उद्यम यूनिट को मिला है, जिसमें जीपीटी इंफ्रा की हिस्सेदारी 26त है। इसके तहत मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन के सोलापुर-उस्मानाबाद खंड में एक नई बीजी लाइन का निर्माण शामिल है। बता दें कि पिछले महीने जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स के जेवी ने उत्तर प्रदेश के आगरा में उत्तर मध्य रेलवे से 135 करोड़ का ऑर्डर हासिल किया था। ऑर्डर में एक रेलवे परियोजना के लिए विभिन्न निर्माण कार्य शामिल थे। कॉन्ट्रैक्ट में जीपीटी इंफ्रा की हिस्सेदारी 51 फीसदी है। यह आदेश मिट्टी के काम, छोटे पुलों, सबवे, साइड नालियों और टो दीवारों के निर्माण जैसे कार्यों से संबंधित था। इतना ही नहीं जुलाई 2023 में भी GPT समूह की प्रमुख कंपनी ने दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रिंसिपल मैटेरियल मैनेजमेंट से 64 करोड़ का ऑर्डर हासिल किया था।

दिसंबर 2023 में जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स ने स्टैंडअलोन तिमाही आंकड़े पेश किए थे, जिसमें शुद्ध बिक्री 246.08 करोड़ तक पहुंच गई थी। यह दिसंबर 2022 में रिपोर्ट की गई 192.64 करोड़ से 27.74% अधिक थी।

दिसंबर तिमाही में तिमाही शुद्ध लाभ 15.02 करोड़ रहा था जो दिसंबर 2022 में दर्ज 9.05 करोड़ से 66.02त अधिक था। बता दें कि जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स सिविल और बुनियादी इंफ्रा के निर्माण और एग्जिक्यूशन में प्रमुख प्लेयर है।

कंपनी पुलों, सड़कों, रेलवे प्रणालियों और शहरी पारगमन प्रणालियों के निर्माण कार्य करती है।

8 महीने में 1450त चढ़ गया यह छोटकू शेयर, 75 रुपये से 1200 रुपये के पार पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक छोटी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने 8 महीने में ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। 8 महीने में बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर बुधवार 24 अप्रैल को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने बुधवार को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 142.50 रुपये है।

बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ 75 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 18 अगस्त 2023 को खुला था और यह 22 अगस्त तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 30 अगस्त 2023 को 142.50 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद से बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर लगातार नए हाई बना रहे हैं। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। 75 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं।

बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले 6 महीने में 405 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2023 को 242.90 रुपये पर थे।

26% कम हुआ इस कंपनी का प्रॉफिट, भरभरा कर गिरा शेयर, एक्सपर्ट बोले- अब खरीदो

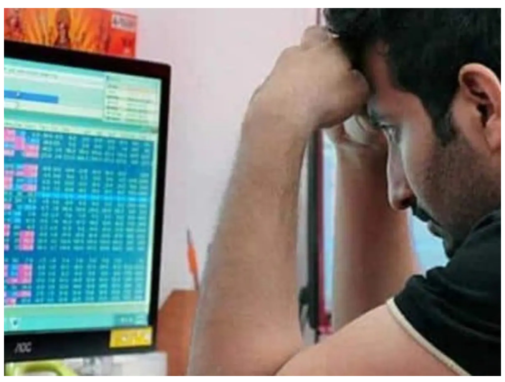

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार की तेजी के बीच प्राइवेट बीमा कंपनी ICICI प्रूडेंशियल का शेयर बुधवार को लगभग 7 प्रतिशत टूट गए। दरअसल, बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी के प्रॉफिट में बड़ी गिरावट की सूचना के बाद निवेशकों में हड़कंप है और वह इस शेयर को बेचकर निकल रहे हैं। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को बीएसई पर शेयर 6.73 प्रतिशत गिरकर 553.15 रुपये पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में यह 6.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 556.75 रुपये पर रहा।

बता दें कि ICICI प्रूडेंशियल ने मंगलवार को कहा कि अधिक खर्च के कारण 31 मार्च को समाप्त तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट 26 प्रतिशत घटकर 174 करोड़ रुपये रहा। बीमा कंपनी को 2022-23 की चौथी तिमाही में 235 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था।

पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का नेट प्रॉफिट 5 प्रतिशत बढ़कर 852 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 में नेट प्रॉफिट 811 करोड़ रुपये था। बता दें कि कंपनी ने प्रति इक्विटी शेयर पर 0.60 रुपये के लाभांश की भी घोषणा की है।

विदेशी ब्रोकरेज जेफरीज ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के शेयर पर तेजी का रुख बनाए रखा। ब्रोकरेज ने शेयर के लिए खरीद रेटिंग दी और इसका टारगेट प्राइस बढ़ाकर 680 प्रति शेयर कर दिया। निराशाजनक नतीजों के बावजूद जेफरीज ने FY25 से ग्रोथ की संभावना पर जोर दिया। जेएम फाइनेंशियल ने भी अपनी खरीद कॉल को बनाए रखा और 736 प्रति शेयर का लक्ष्य मूल्य निर्धारित किया। जेएम फाइनेंशियल को वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही तक मार्जिन विस्तार की उम्मीद है। हालांकि, मोतीलाल ओसवाल ने अधिक सतर्क रुख अपनाया है।

110 से टूटकर 3 पर आया यह शेयर, अब खरीदने की लूट, अनिल अंबानी की है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में ज्यादातर पेनी स्टॉक ऐसे हैं जिसकी अचानक से डिमांड बढ़ जाती है। इसके पीछे कोई ठोस वजह नहीं होती। ऐसा ही एक पेनी स्टॉक- रिलायंस होम फाइनेंस का है। अनिल अंबानी की इस फाइनेंस कंपनी के शेयर में एक बार फिर तूफानी तेजी आई है।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को रिलायंस होम फाइनेंस के शेयर में 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। ट्रेडिंग के दौरान इस शेयर की कीमत 3.67 रुपये पर पहुंच गई। एक दिन पहले शेयर की क्लोजिंग 3.50 रुपये पर हुई थी। 9 जनवरी 2024 को इस शेयर की कीमत 6.22 रुपये थी। यह 52 हफ्ते का हाई है। वहीं, 17 अगस्त 2022 को शेयर 1.61 रुपये के स्तर तक लुढ़क गया था। बता दें कि यह शेयर करीब 6 साल पहले 110 रुपये के स्तर पर था।

रिलायंस होम फाइनेंस, अनिल अंबानी के दिवालिया फर्म रिलायंस कैपिटल की सब्सिडियरी है। शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो मार्च तिमाही तक 0.74 फीसदी पर प्रमोटर की दावेदारी है। वर्तमान में अनिल अंबानी के पास रिलायंस होम फाइनेंस के 2,73,891 शेयर हैं। पत्नी टीना के पास 2,63,474 शेयर, बेटे जय अनमोल अंबानी के पास 28,487 शेयर हैं। पब्लिक शेयरहोल्डिंग की बात करें तो 99.26 फीसदी है।

दोगुने डिविडेंड का हुआ ऐलान, इस शेयर में आई तूफानी तेजी, डॉली खन्ना के पास 16 लाख से ज्यादा शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयर बुधवार को 18 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 1098 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेजी एक बड़े ऐलान की वजह से आई है। चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने वित्त वर्ष 2024 के लिए हर शेयर पर 55 रुपये (550त) का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया है। दिग्गज निवेशक डॉली खन्ना ने चेन्नई पेट्रोलियम पर बड़ा दांव लगाया हुआ है।

चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने वित्त वर्ष 2023 के मुकाबले दोगुना डिविडेंड अनाउंस किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 के लिए हर शेयर पर 27 रुपये का डिविडेंड अनाउंस किया था। चेन्नई पेट्रोलियम ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 55 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी फाइनल डिविडेंड पर 819 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जो कि चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के पूरे साल के 2711 करोड़ रुपये के मुनाफे का 30 पर्सेंट है। कंपनी ने फिलहाल फाइनल डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है।

दिग्गज निवेशक डॉली खन्ना के पास चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के 16.18 लाख शेयर या कंपनी में 1.09 पर्सेंट हिस्सेदारी है। पिछले एक साल में चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयरों में 310 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल 2023 को 264.55 रुपये पर थे, जो कि 24 अप्रैल 2024 को 1098 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयरों में 105 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 534.35 रुपये से बढ़कर 1100 रुपये के करीब पहुंच गए हैं। चेन्नई पेट्रोलियम के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 256.90 रुपये है।

रियल्टी कंपनी को मिला 2,000 करोड़ का काम, शेयर में लगा अपर सर्किट, 1 साल में 5 गुना उछला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के पाली हिल इलाके में एक रेजिडेंशियल सोसायटी के पुनर्विकास के लिए रियल्टी कंपनी पूर्वांकरा पसंदीदा डेवलपर के रूप में उभरी है। आज इसके शेयरों को खरीदने की इस कदर लूट मची कि 5 फीसद का अपर सर्किट लग गया। इस परियोजना में 4.10 लाख वर्ग फुट कार्पेट एरिया के डेवलप होने का अनुमान है। इसमें लगभग 2.15 लाख वर्ग फुट बिक्री के लिए उपलब्ध है। कंपनी की नियामक फाइलिंग के अनुसार इसका संभावित जीडीवी 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

पूर्वांकरा के शेयर अपने निवेशकों को पिछले एक साल में करीब पांच गुना रिटर्न दे चुके हैं। इस अवधि में इसने 392.17 फीसद का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यानी एक साल पहले जिस किसी ने इस स्टॉक में एक लाख रुपये का निवेश किया होगा, उसका एक लाख अब 4.92 लाख रुपये हो गया होगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सेना व अर्धसैनिक बलों की मांग को ध्यान में रखते हुए 1200 से अधिक सुरंगरोधी वाहन तैयार किए हैं

जबलपुर। सेना व अर्धसैनिक बलों की मांग को ध्यान में रखते हुए वाहन निर्माणी जबलपुर ने एक दशक में 1200 से अधिक सुरंगरोधी वाहन तैयार किए हैं। इसमें सुरंगरोधी वाहनों का अपग्रेड वर्जन भी शामिल है। निर्माणी के एमपीवी सेक्शन ने सुरंगरोधी वाहनों अपग्रेड वर्जन बनाया है। इसे जवानों की सुरक्षा की दृष्टि से अनेक उपाय किए गए हैं। पिछले दस साल से निर्माणी सुरंगरोधी वाहन बनाते हुए इसमें विशेषज्ञता हासिल कर ली है। वाहनों का निर्माण और आपूर्ति निरंतर रहा

सुरंगरोधी वाहनों की उपयोगिता को देखते हुए निर्माणी इन वाहनों का निर्माण और आपूर्ति निरंतर कर रही है और इस तरह उसे इस दिशा में महारथ भी हासिल हो गई है। हाल के वर्षों में निर्माणी में सुरंगरोधी वाहन (एमपीवी) के अलावा स्टैलियन प्लेटबैट और वाटर बाउजर का बड़े स्तर पर उत्पादन हुआ। उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि के बाद इस वित्त वर्ष 2024-25 में सेना ने उसके सामने साढ़े सात हजार अलग-अलग सेगमेंट की गाड़ियों के लिए मांगपत्र विगत माह में भेज दिया था। हालांकि अपनी डील रेट पर अटकी हुई है और जल्द ही इस दिशा में सार्थक नतीजे आने की संभावना है।

सुरंगरोधी वाहन को दिया नया आकार अपग्रेडेड सुरंगरोधी वाहन एमपीवी चार गुणा चार तथा एमपीवी छह गुणा छह का उत्पादन वीएफजे कर रही है। एमपीवी सेक्शन अब तक 1200 से भी अधिक गाड़ियों का उत्पादन कर चुका है। आटोमोबाइल फैक्टी के रूप में ख्याति प्राप्त व्हीकल फैक्टरी में सारंग गन की अपगनिंग के महत्वपूर्ण कार्य शुरू होने जा रहे हैं। एक आटोमोबाइल फैक्टरी में आर्टिलरी गन की अपगनिंग का कार्य को देखते हुए अनेक उपाय किए गए हैं। इस साल वीएफजे ने सेना के लिए तय लक्ष्य 244 सुरंगरोधी वाहनों को बनाकर अपनी साख कायम रखी है। वहीं सीआरपीएफ को 121 सुरंगरोधी वाहनों की आपूर्ति हो चुकी है जबकि शेष 30 अगले दो माह में पूरे जाएंगे।

स्टैलियन में 500 का आंकड़ा पार वीएफजे ने एक साल की अल्प अवधि में स्टैलियन ट्रक निर्माण के साथ इस बार स्टैलियन प्लेटबैट को आकार देते हुए 517 का उत्पादन पूरा कर सेना को तय समय पर वाहनों की आपूर्ति कर दी है। इस बार इनमें मांग के अनुरूप अनेक तकनीक बदलाव किए गए हैं जो कि दुर्गम क्षेत्रों में जवानों के लिए सहायक साबित होगी।

इस साल अब तक आपूर्ति

सुरंगरोधी वाहन = सेना को 244,

सीआरपीएफ 121 (21 शेष वाहन जून तक)

स्टैलियन प्लेटबैट = 514

वाटर बाउजर = 735 (230 शेष वाहन जून तक)

जबलपुर संभाग में पांचवीं का परीक्षा 93.99 व आठवीं का 90.46 प्रतिशत रहा परिणाम

जबलपुर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पांचवी, आठवीं की परीक्षा के परीक्षा परिणाम आज मंगलवार को घोषित किए गए परीक्षा में लगभग 63 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा के लिए 284 केंद्र बनाए गए थे। सुबह से ही विद्यार्थी परीक्षा परिणाम देखने के लिए आतुर रहे लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण विद्यार्थी काफी परेशान नजर आए।31690 छात्र परीक्षा में बैठे थे, जिसमें 27436 विद्यार्थी पास

जिले में पांचवीं की परीक्षा में 31690 छात्र परीक्षा में बैठे थे। जिसमें 27436 विद्यार्थी पास हुए। आठवीं की परीक्षा में 30165 विद्यार्थी ने परीक्षा दी थी, जिसमें से 24564 विद्यार्थी पास हुए। पांचवी के 4254 तथा आठवीं के 5601 विद्यार्थी फेल हुए।

पांचवी और आठवीं की परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर आधारित की गई थी

डीपीसी योगेश शर्मा ने बताया कि पांचवी और आठवीं की परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर आधारित की गई थी। पांचवी में 7482 विद्यार्थियों ने ए प्लस प्राप्त किया है। साथ ही 86. 58 छात्रों का सेकेंड और 23. 6 छात्रों का थर्ड डिवीजन रहा। आठवीं की परीक्षा में 7758 विद्यार्थियों ने ए प्लस और ए ग्रेड पाया। जबकि 81.43 विद्यार्थी सेकेंड व 25.72 प्रतिशत विद्यार्थियों का थर्ड डिवीजन रहा।

मेमू ट्रेन पर हुआ पथराव, इंजन का कांच टूटा

ग्वालियर। ग्वालियर स्टेशन के आउटर पर सक्रिय असामाजिक तत्वों द्वारा शताब्दी और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों को निशाना बनाया जाता है, लेकिन अब वे मेमू ट्रेन पर भी पत्थरबाजी कर रहे हैं। मंगलवार को ग्वालियर से जौरा तक जाने वाली मेमू ट्रेन पर बिरला नगर स्टेशन के पास पत्थरबाजी की गई। इस दौरान ट्रेन के इंजन का कांच टूट गया। चूंकि ट्रेन रवाना हो चुकी थी, ऐसे में जौरा से वापसी के बाद निर्णय लिया गया कि इस रैक को बदला जाएगा।

इसके चलते ग्वालियर-इटावा के बीच संचालित होने वाली मेमू ट्रेन के रैक को जौरा के लिए भेजा गया, जबकि जौरा के रैक को इटावा तक संचालित किया गया। अब इसे मरम्मत के लिए कानपुर भेजा जाएगा। इस घटना के बाद आरपीएफ के उप निरीक्षक रविंद्र सिंह राजावत, उप निरीक्षक शिवम और आरक्षक उमेश शर्मा ने तत्काल ही ट्रैक पर पेट्रोलिंग शुरू की और लोगों को हिदायत दी कि वे पत्थरबाजी को अंजाम न दें, अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ट्रैक पर आग लगी तो बंद की ओएचइ लाइन झांसी रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत महलगांव पुलिया के पास रेलवे ट्रैक किनारे आग लगने पर स्टेशन प्रबंधन ने 42 मिनट के लिए ओएचइ लाइन को बंद कर दिया। आग की सूचना मिलने पर रेलवे की टीम मौके पर पहुंची और ट्रैक के पास लगी आग को बुझाया। इसके चलते प्लेटफार्म क्रमांक चार की ओएचइ लाइन में सप्लाइ बंद हो गई और शिवपुरी-गुना ट्रैक की ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ा। दोपहर के समय भिंड की ओर रवाना होने वाली पैसेंजर को प्लेटफार्म क्रमांक चार के बजाय एक से संचालित किया गया।

ट्रेन के आगे कुदा युवक हालत गंभीर

ग्वालियर। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से इटावा के बीच चलने वाली ट्रेन क्रमांक 11903 इटावा एक्सप्रेस के ग्वालियर स्टेशन पर पहुंचने पर एक युवक इंजन के आगे कूद गया। युवक के कूदते ही स्टेशन पर हड़कंप मच गया। प्लेटफार्म पर खड़े यात्रियों ने तत्काल ही इसकी सूचना डिप्टी एसएस और आरपीएफ के जवानों को दी, जिसके बाद घायल युवक को इंजन के नीचे से निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है।

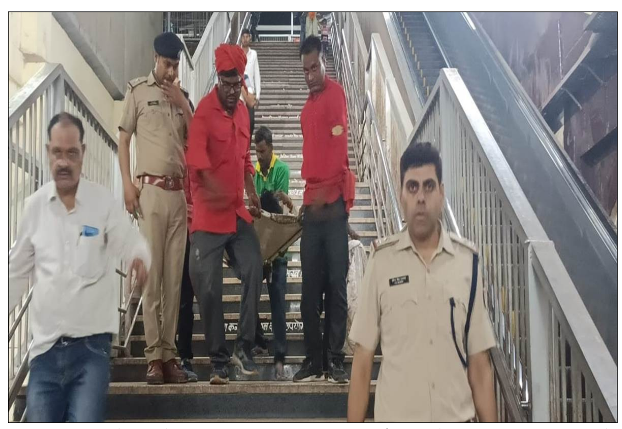

आरपीएफ से मिली जानकारी के मुताबिक कंट्रोल से सूचना मिली कि एक युवक इटावा एक्सप्रेस के इंजन के नीचे घायल अवस्था में पड़ा है।आसपास मौजूद यात्रियों ने बताया कि युवक जानबूझकर ट्रेन के आगे कूदा था। सूचना के आधार पर डिप्टी एसएस, आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने घायल युवक को इंजन के नीचे से निकाला।

युवक ने अपना नाम राकेश शाक्यवार पुत्र हरनाम आयु 25 वर्ष निवासी मिहोना भिंड बताया। यात्री के पास से कोई टिकट भी बरामद नहीं हुआ। आरपीएफ के जवानों ने तत्काल ही एंबुलेंस के जरिए युवक को इलाज के लिए जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जबलपुर जिले में पांचवी का परीक्षा परिणाम 86.58 प्रतिशत रहा वही आठवीं का परीक्षा परिणाम 81.43 प्रतिशत रहा

जबलपुर। जबलपुर जिले में पांचवी का परीक्षा परिणाम 86.58 प्रतिशत रहा वही आठवीं का परीक्षा परिणाम 81.43 प्रतिशत रहा। शासकीय प्राथमिक बालक शाला नया मोहल्ला की कक्षा पांचवीं की छात्रा अनुष्का नामदेव ने ए प्लस ग्रेड अंक 91.25 प्रतिशत के

साथ शाला का नाम रोशन किया।

वे अपनी सफलता का श्रेय अनुष्का शिक्षिका प्रतीक्षा चंद्रवंशी एवं रागिनी सोनी को देती हैं। 63 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा के लिए 284 केंद्र बनाए गए थे।शिक्षिकाओं ने प्रत्येक विषय पर फोकस कराया

अनुष्का ने बताया कि शिक्षिकाओं ने प्रत्येक विषय पर फोकस कराया, जिससे सफलता अर्जित की। मैं बड़े होकर यूपीएससी की तैयारी करना चाहती हूं। मेरा सपना कलेक्टर बनने का है। मेरा मानना है कि हनुमानजी की भांति अपने लक्ष्य को जब तक प्राप्त न कर ले तब तक प्रयास करने के लिस जुटे रहना चाहिए।

8 नये सेक्टर अधिकारी किये गये नियुक्त

इंदौर। इंदौर जिले में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से लोकसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए जारी सेक्टर अधिकारियों के नियुक्ति आदेश में आंशिक संशोधन किया गया है। अपर कलेक्टर एवं समन्वयक नोडल कार्मिक प्रबंधन श्रीमती सपना लोवंशी ने पूर्व मे आंसजित 8 सेक्टर अधिकारियों को मुक्त करते हुए उनके स्थान पर नये सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की है। सेक्टर अधिकारियों के संबंध में जारी आदेश के अनुसार विधानसभा क्षेत्र इंदौर-1 के अन्तर्गत नेशनल इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय के उप प्रबंधक आलोक त्रिपाठी एवं मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम की प्रभारी सहायक यंत्री अन्नपूर्णा सिसोदिया को नवीन सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र इंदौर-2 हेतु क्षेत्रीय कार्यालय मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की उपयंत्री अदिती वाडिवे, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-4 के लिए मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम की उपयंत्री कल्पना चौहान, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-5 में अनुविभागीय कृषि अधिकारी इंदौर के सहायक संचालक श्री शोभाराम, विधानसभा क्षेत्र डॉ. अम्बेडकर नगर(महू) हेतु उपायुक्त सहकारिता मदनलाल गजभिये को तथा विधानसभा क्षेत्र सांवेर के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के क्षेत्रीय समन्वयक राजेश मेहरा एवं दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी ऑटो टाई अप क्लेम हब ऑपरेटिंग कार्यालय के उप प्रबंधक अरुण कुमार राजगुरु को नवीन सेक्टर अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने गंभीरता से करें प्रयास - मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन

इंदौर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने लोकसभा निर्वाचन-2024 के दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये पूरी गंभीरता से प्रयास करने के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने पहले चरण से संबंधित लोकसभा क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा कर मतदान की समीक्षा की। उन्होंने कम वोटिंग पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि अगले चरणों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये कलेक्टर्स स्वयं लीड लें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय कलेक्टर्स की भरपूर मदद के लिये सदैव तत्पर है। श्री राजन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संसदीय क्षेत्रवार निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की।

गर्मी में पशुओं से सेवा नहीं लेने की अपील

इंदौर। इन्दौर जिले में ग्रीष्म ऋतु में दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक निरन्तर बना रहता है। पशुओं पर सामग्री (भार) रख कर या सवारी कर उपयोग करने से अथवा पशुओं को तांगे/ बैल-गाड़ी/ भैसा-गाडी/ ऊंट-गाडी/ खच्चर-गाडी/ टट्टू-गाडी एवं गधे पर वजन ढोने में उपयोग करने से पशुओं में बीमारी या उनकी मृत्यु भी हो सकती है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग/जिला पशु क्रूरता निवारण समिति द्वारा भार वाहक पशु मालिकों से अपील की गई है कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच एवं तापमान का ध्यान रखते हुए पशुओं से सेवा नहीं लेवें। दोपहर के समय पशुओं को छाया वाले स्थान पर विश्राम करने दें एवं पर्याप्त पीने के पानी की व्यवस्था करें।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए तीन उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल

इंदौर। इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिये नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला जारी है। नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने के पाँचवे दिन आज तीन उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध की गई प्रभावी कार्रवाई

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत कलेक्टर श्री आशीष सिंह के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के निर्देशन में आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी कड़ी में गत सोमवार को आबकारी वृत मालवा मिल अ प्रभारी उप निरीक्षक श्री महेश पटेल द्वारा कार्यवाही करते हुए पोलोग्राउंड के पास इंडस्ट्रियल एरिया में रोड पर एक एक्टिवा से 12 बोतल व्हिस्की परिवहन करते हुए संतोष पिता ताराचंद को पकड़ा गया। इसी के साथ मरीमाता चौराहे के पास मेन रोड पर एक हीरो प्लेजर से 50 पाव देशी मदिरा प्लेन के परिवहन करते हुए आरोपी पीयूष पिता कैलाश को पकड़ा गया। दोनों वाहन और मदिरा जप्त कर दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार करते हुए उनके विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क के प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिये गये। कार्यवाही में आरक्षक निहाल सिंह बुंदेला, रुचिर दूर्वे, मुकेश चौहान, विनीता नगराज सम्मिलित थे।

राऊ से महू के बीच दोहरी लाइन बिछाई जा रही

इंदौर। राऊ से महू के बीच दोहरी लाइन बिछाई जा रही है। इस दूसरी लाइन में एक मई से करंट दौड़ने वाला है। 25 हजार वाट के करंट को तारों में प्रभावित किया जाएगा। इसके लिए रेलवे ने सार्वजनिक सूचना जारी करते हुए लाइन से दूर रहने के लिए कहा है। इसके बाद मेगा ब्लाक लेकर दोहरी लाइन पर ट्रेन दौड़ा कर परीक्षण किया जाएगा। राऊ से महू के बीच 9.50 किमी लंबे रेल रूट का दोहरीकरण किया जा रहा है। इस रूट पर रेल की पटरियां बिछाने के साथ ही बिजली से जुड़े काम भी पूरे हो चुके हैं। एक मई से इस रेल रूट की लाइन को चार्ज किया जाएगा।

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंदौर में हुये विभिन्न कार्यक्रम

इंदौर। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंदौर में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियों को आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमें में आमजन को मुख स्वास्थ्य के महत्व से परिचित कराया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार और विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस की थीम एक स्वस्थ मुँह, एक स्वस्थ शरीर है पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिला चिकित्सालय इंदौर के सिविल सर्जन सहमुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. जी. एल. सोढ़ी ने बताया कि विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंदौर में अनेक स्थानों पर दंत परिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि यह शिविर विभिन्न संस्थानों एवं निराश्रित सेवाश्रम, पितृ-पर्वत, शासकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय विजय नगर, पिपलिया कांकड़, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक एम.ओ.जी. लाइन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरपुर में आयोजित किये गये। जिसमें दंत रोग एवं मुख कैंसर की स्क्रिनिंग की गई। हितग्राहियों को तम्बाकू सेवन से मुख स्वास्थ्य एवं शारीरीक स्वास्थ्य पर होने वाले हानिकारक प्रभाव से अवगत कराया गया तथा मुँह की देख-भाल और ब्रश करने का सही तरीका भी बताया गया।

एक स्वस्थ मुँह, एक स्वस्थ शरीर है की थीम पर माँ कनकेश्वरी देवी महाविद्यालय में दंत परीक्षण के साथ-साथ चित्रकला प्रतियोगिता तथा क्विज का आयोजन किया गया एवं विजेताओं को प्रमाण-पत्र व मेडल प्रदान किए गए। जिला चिकित्सालय के दंत चिकित्सक डॉ. पारस रावत, डॉ. तृप्ति भाटी, डॉ. यशोदीप चौहान तथा डॉ. नीति पंडित द्वारा दांतों एवं मुख की देखभाल करने, ओरल कैंसर से बचाव को लेकर कई जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें हस्ताक्षर अभियान चलाकर धुम्रपान नहीं करने एवं नियमित मुख की सफाई करने की शपथ दिलाई गई।

जिला चिकित्सालय में बैनर, पोस्टर एवं पम्प्लेट द्वारा जानकारी देकर आमजनता को मुख स्वास्थ्य से संबंधित समस्यों के बारे में जागरुक किया गया।

इंदौर को बनाया जायेगा मतदान में नम्बर वन, मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए इंदौर में अनूठी पहल

इंदौर। इंदौर को लोकसभा चुनाव के मतदान में नम्बर वन बनाया जायेगा। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए इंदौर में अनेक नवाचार और अनूठी पहल की जा रही है। इसी के तहत आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुये मतदाता जागरूकता संवाद कार्यक्रम में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। इंदौर शहर के विभिन्न व्यवसायिक संस्थाओं और संगठनों ने निर्णय लिया है कि मतदान दिवस पर 13 मई को मतदान करने वाले मतदाताओं को

निःशुल्क पोहे/जलेबी, आईस्क्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स, नूडल्स और मन्चुरियन खिलाये जायेंगे। साथ ही उन्हें खरीदी पर आकर्षक डिस्काउंट भी दिया जायेगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इस कार्यक्रम में कहा कि मतदान में इंदौर को नम्बर वन बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये जायेंगे। जागरूकता के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा। उन्होंने आग्रह किया कि अधिक से अधिक मतदाता मतदान में शामिल हो और अपने मताधिकार का उपयोग करें।

एआईसीटीएसएल के सभाकक्ष में सम्पन्न हुये इस कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी और शहर के विभिन्न मार्केट एसोसिएशन, खाद्य सामग्री एसोसिएशन, कैफे, मॉल होटल एसोसिएशन आदि संस्था/संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का मुख्य आधार है। हर मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिये।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मतदान हो और इंदौर नम्बर वन बने इसके लिए समाज के सभी वर्ग को अपनी महती भूमिका निभाना होगी। मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने हेतु सभी मार्केट एसोसिएशन, खाद्य सामग्री एसोसिएशन, कैफे, मॉल होटल एसोसिएशन आदि संस्था/संगठनों को आगे आना होगा। सभी को अपने-अपने स्तर पर लोकतंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए मिलकर प्रयास करना होंगे।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी
संपादकीय सलाहकार

श्री संजय व्यास
संपादकीय सलाहकार डिजिटल

सुश्री परम चैतन्य
कार्यकारी संपादक

डॉ. चमन सिंह राजौरा
उप संपादक

श्री आशीष उपाध्याय
विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार

श्री भुवनेश भार्गव
विशेष संवाददाता

श्री शिरीष राव मोरे
ब्यूरो प्रमुख

श्री नरेन्द्र राठौर
संवाददाता

श्री धर्मेंद्र राठौर
संवाददाता

श्री कौशल कांतिदास वैरागी
विशेष प्रतिनिधि

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

महाकाल राजा को गर्मी से बचाने के लिए शीतल जलधारा प्रवाहित की गई

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में वैशाख कृष्ण प्रतिपदा पर गलंतिका बांधी गई। मिट्टी से निर्मित मटकियों से भगवान के शीश पर सतत शीतल जलधारा प्रवाहित की जा रही है। ज्योतिर्लिंग की परंपरा अनुसार वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से ज्येष्ठ पूर्णिमा तक दो माह प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक गलंतिका बांधी जाती है।

मध्य प्रदेश- उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में वैशाख कृष्ण प्रतिपदा के अवसर पर जलाभिषेक किया गया। पं.महेश पुजारी ने बताया कि समुद्र मंथन के समय भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा हेतु कालकूट नामक विष का पान किया था।

इसके पश्चात विष की उष्णता शांत करने के लिए भगवान शिव का निरंतर जलाभिषेक किया जाता है।गर्मी के दिनों में विष की उष्णता बढ़ जाती है। इस कारण वैशाख व ज्येष्ठ मास में भगवान शिव को शीतलता प्रदान करने के लिए मिट्टी के कलशों से शीतल जलधारा प्रवाहित की जाती है। इन कलशों को गलंतिका कहा जाता है।महाकाल मंदिर में बुधवार को वैशाख कृष्ण प्रतिपदा पर भगवान महाकाल को गलंतिका बांधी गई। यह गलंतिका ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा तक रहेगी।

गलंतिका स्वरूप बंधे कलशों में प्रतीकात्मक स्वरूप में विभिन्न नदियों के नाम अंकित किए जाएंगे। ये नदियां हैं गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, नर्मदा, कावेरी, सरयू, शिप्रा, गंडक आदि। यह जलधारा प्रतिदिन भस्मारती पश्चात शुरू होकर सायं पूजन तक जारी रहेगी। प्रतिवर्ष मंदिर में वैशाख और ज्येष्ठ माह में अभिषेक पात्र (रजत कलश) के साथ मिट्टी के 11 कलशों के साथ गलंतिका बांधी जाती है।

मंगलनाथ व अंगारेश्वर में भी बंधेगी गलंतिका

मंगलनाथ व अंगारेश्वर महादेव मंदिर में भी वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से गलंतिका बांधी जाएगी। अंगारेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी ने बताया भूमिपुत्र महामंगल को अंगारकाय कहा जाता है।

मंगल की प्रकृति गर्म होने से गर्मी के दिनों में अंगारक देव को शीतलता प्रदान करने के लिए गलंतिका बांधी जाती है। इस बार भी बुधवार से गलंतिका बांधने का क्रम शुरू होगा।

सूर्यमुखी हनुमान मंदिर पर महाआरती कर श्रद्धालुओं को मतदान करने की शपथ दिलाई

उज्जैन। छोटा पुल रामघाट स्थित सूर्यमुखी हनुमान मंदिर पर हनुमान जी का जन्म उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। यहां पर आर्टिफिशियल श्रृंगार नहीं करते हुए भगवान का मूल स्वरूप में सिंदूर और वस्त्र धारण कर किया गया। यह विश्व का एकमात्र स्वरूप है जह भगवान हनुमान जी बाल स्वरूप मैं सूर्य देव को फल समझ कर मुख मैं लेते हूऐ का स्वरूप है। पं उमेश व्यास एवं पं हर्ष व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि हनुमान जी के जन्मोत्सव के अवसर पर महाआरती की गई। इस दौरान आने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान को लेकर श्रद्धालुओं को शपथ दिलाई गई। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। सुबह से ही छोटा पुल रामघाट स्थित हनुमान मंदिर पर भक्तों का ताता लगा रहा यह विश्व का एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां पर हनुमान जी ने सूर्य को फल समझ कर मुख में धारण किया यही कारण है कि यहां की मान्यता और भी बढ़ जाती है। भगवान का आर्टिफिशियल श्रृंगार नहीं करते हुए मूल स्वरूप में सिंदूर और वस्त्र धारण कर श्रृंगार किया गया है। मंदिर पर सेवा देने वाले का अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र चतुर्वेदी ने मंदिर के पुजारी पंडित उमेश व्यास एवं आचार्य हर्ष व्यास का महाकाल का दुपट्टा पहन कर सम्मान किया।

संत निरंकारी सत्संग भवन में लगा रक्तदान शिविर

उज्जैन। संत निरंकारी मिशन ब्रांच उज्जैन द्वारा पवासा, मक्सी रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में सतगुरु माता सुदीक्षाजी महाराज के आशीर्वाद से विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 82 पंजीकरण हुए जिसमें से 40 यूनिट रक्तदान हुआ।

मानव एकता दिवस 24 अप्रैल बुधवार को आयोजित शिविर में शिविर में उज्जैन के अलावा रतलाम, देवास, नागदा, सुआसा से भी अनुयायियों ने रक्तदान किया।

हनुमान जन्मोत्सव पर ददरौआ धाम में वाटर कूलर किया भेंट

उज्जैन हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर राजपूत हितकारणी सभा उज्जैन एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान मे बड़नगर रोड स्थित दद रोआ धाम मे वाटर कुलर प्रदान किया गया, दद रोआ धाम के महंत मनीष महाराज ने इसका शुभारम्भ किया, इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष किशोर सिंह भदौरिया, प्रदेश महामंत्री नरेश सिंह भदौरिया, संभागीय अध्यक्ष मनोहर सिंह चौहान,भाजपा नेता भानु भदौरिया,सुंदर सिंह भदौरिया,रघुवीर सिंह बैस, अमित सिंह भदौरिया, रामकिशन सिंह भदौरिया, राज सेंगर, सर्वेश सिंह भदौरिया, आदि उपस्थित थे, वाटर कुलर समाजसेवी भानु भदौरिया द्वारा प्रदान किया गया इस अवसर पर सुंदर पाठ का भी वाचन किया गया,महंत श्री मनीष महाराज जी का स्वागत किया गया,और सभी ने भोजन प्रसादी ग्रहण कर हनुमान जन्मोत्सव का आनंद लिया।

सूर्यमुखी संकट मोचन हनुमान की हुई प्राण प्रतिष्ठा

उज्जैन। अमरनाथ एवेन्यू विकास समिति द्वारा इंदौर रोड स्थित अमरनाथ एवेन्यू में सूर्यमुखी संकट मोचन हनुमान महाराज के भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं पंचकुंडीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। अंजनी पुत्र हनुमान के जन्म उत्सव पर पांच दिवसीय महोत्सव का पूर्णाहुति एवं बाबा महाकाल के अंश प्रभु श्री राम के परम भक्त महाबली बजरंगबली की भव्य प्राण प्रतिष्ठा हुई।

पांच दिवसीय सूर्यमुखी संकट मोचन हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन पंचकुंडली महायज्ञ में आहुति दी गई। हनुमान जन्मोत्सव पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त से सूर्यमुखी संकट मोचन हनुमान मंदिर पर धार्मिक आयोजन प्रारंभ हुए। सुबह करीब 3 बजे ब्राह्मणों द्वारा वैदिकमंत्रोच्चार के साथ सूर्यमुखी संकट मोचन हनुमान जी की करीब 8 क्विंटल की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न की गई। प्राण प्रतिष्ठा के बाद दिनभर पंच कुंडी महायज्ञ में विश्व कल्याण के लिए आहुति दी गई देर शाम मुख्य यजमान किरण राठौर, अनुराग सिंह राठौर, दिलीप पाटीदार, महेश पुरोहित, रामचरण जिंदल, अमरनाथ एवेन्यू विकास समिति अध्यक्ष सबल सिंह सोलंकी, कैलाश पांचाल, पवन यादव सहित अमरनाथ एवेन्यू परिवार द्वारा पंच कुंडीय महायज्ञ की पूर्ण आहुति संपन्न की गई। हनुमान जन्मोत्सव पर प्रथम बार सूर्यमुखी संकट मोचन हनुमान जी की महा आरती संपन्न हुई। सभी ने संकट मोचन की आरती सम्पन्न कर विश्व के सुख समृद्धि की कामना की आरती के पश्चात भव्य महाप्रसादी का आयोजन किया गया। यहां किरण राठौर, अनुराग सिंह राठौर, अमरनाथ एवेन्यू विकास समिति अध्यक्ष सबल सिंह सोलंकी, महेश प्रसाद तिवारी, कैलाश पांचाल, पवन यादव, दिलीप पाटीदार, महेश पुरोहित, रामचरण जिंदल द्वारा सर्वप्रथम ब्राह्मण बटुकों एवं कन्याओं को भोजन प्रसादी ग्रहण कराई गई एवं बटुकों एवं कन्याओं को भेंट दी गई। यहां हजारों की संख्या में लोगों ने महाप्रसादी का लाभ लिया। सूर्यमुखी संकट मोचन हनुमान जी महाराज की भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं पंच कुंडीय महायज्ञ के दौरान मंदिर पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अजय तिवारी, डीसी हटिया, अजय बालसे, अशोक यादव, यशवंत गामी, अजय नागदेव, विशाल मेहता, पुरुषोत्तम राय सिंघानी, कुशाल सिंह तोमर, अशोक श्रीवास्तव, सचिन बेस, संजय यादव, विजय पंथ, संजय पाटीदार, कश्यपजी, विजय दुबे, डॉ आशीष पाटीदार, रमेश व्यास, पालीवालजी, जितेंद्र नागदेव, महेश कलमे, साठेजी, वीरेंद्र चौहान सहित मातृशक्ति एवं अमरनाथ एवेन्यू परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

झिलमिल झांकियों के साथ निकली प्रकटेश्वर महादेव की पालकी

उज्जैन। हनुमान जन्मोत्सव पर प्रकटेश्वर महादेव मंदिर की गैर निकली। जिसमें उज्जैन में निकलने वाली गैरों में सबसे अधिक निशान शामिल हुए। वहीं झिलमिल झांकियां व प्रकटेश्वर महादेव की पालकी निकाली गई। जिसका पूजन रास्ते भर भक्तजनों ने किया।

मंदिर पर राजेश सिंह कुशवाह वरिष्ठ कार्य परिषद सदस्य विक्रम विश्वविद्यालय, दिनेश कुमार दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कवि एवं साहित्यकार, सांसद अनिल फिरोजिया, कलावती यादव सभापति नगर पालिका निगम, मंदिर पुजारी घनश्याम शर्मा के द्वारा ध्वज निशानों का पूजन किया। गैर मे मंडल के मंदिर पुजारी संदिप शर्मा, डॉ अजय शर्मा, अर्जुन बारोड, अखाडे के छोटेलाल खलीफा, धर्मेद्र गोईया, सन्नी गोईया, रम्मन आठिया सहित फ्रीगंज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रकटेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी घनश्याम शर्मा सहित कार्यक्रम आयोजक श्री शिव विष्णु समिति ने फ्रीगंज व शहर के सभी व्यापारी बंधुओ का आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग से यह सब कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com